## श्रम विभाग श्रादेश

## दिनांक, 14 मई, 1987

सं भो वि /गुड़गांव/39-87/18701--चूंकि हिरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं मन् इन्टरप्राईजिज ब्लाट नं 39, महरौली रोड़, गुड़गांव, के श्रमिक श्री राम नरेश मार्फत श्री महाबीर त्यागी इन्टंक दिल्ली रोड़, गुड़गांव तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई | श्रीशोगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भव, श्रोद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की मई शक्तियों का श्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के सधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को भीचे विनिर्दिष्ट मामले जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित बामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री राम नरेश का सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हक्कार है ?

सं ग्रो वि०/हिसार/33-87/18709.—चं िक हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं मा किट कमेटी, भूना, तहसील फतेहाबाद, जिला हिसार, के श्रीमक श्री पाला राम, पूत्र श्री विशना राम निवासी भूना, तहसील, फतेहाबाद, जिला हिसार तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई ग्रोद्योगिक विवाद है;

भोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भव, श्रीद्योगिक विवाद श्रिधितियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा श्रदान की गई शक्तियों का श्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं० 9641--1श्रम-- 18/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी श्रिधसूचना की घारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे जुमंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त श्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री पाला राम की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार हैं ? सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/27-87/18716.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० ग्रीसोजन इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीं, रेलवें रोड, फरीदाबाद के श्रीमक श्री राम दहीन राय मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन, 2/7, गोपी कालोनी, ग्रोलड फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई श्रीधोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रब, ग्रीशोगिक विवाद ग्रीधितियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गर्ब गिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधितयम की धारा 7-क के ग्रीधीन गठित श्रीशोगिक ग्रीधिकरण, हरियाणा, फरीवाबाद को नीचे विनिद्धिट मामला जोकि उक्त प्रबन्धक तथा श्रीमक के बीज या तो विवादग्रस्त मामला है ग्राथिक प्रवाद तीन मास में देने हेत् निद्धिट करते हैं:—

क्या श्री राम दहीन राय की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? संब श्रो विव/एफ बी०/42-87/18723.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० प्रकाश एयो इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं० 311, सैक्टर 24, फरीजाबार, के श्रीमक श्री शमशेर श्रली, पुत श्री शूकर, गांव बिन्जोपेर, तहसील बलल्बगढ़, जिला फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीबोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, प्रब, प्रौद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 की धारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त प्रधितियम की धारा 7-क के घष्टीन गठित भौद्योगिक प्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है प्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री शमशेर अली की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं नौबारी छोड़ी है ? इस बिन्दु पर निर्णयं के फलस्वरूप वह किस राहत का हुकदार है ?